MSNTARGET.COM

https://msntarget.com

Bhai Tera Star Hai Review कॉमेडी के नाम पर बड़ा धोखा!

विषय सूची (Table of Contents):

>> १. भाई तेरा स्टार है मूवी रिव्यू राघव जुयाल की फिल्म ने तोड़ी दर्शकों की उम्म...

>> २. फिल्म की कहानी लंदन का संघर्ष, उधारी का कर्ज और कन्फ्यूजन का जाल...

>> १०,००० पाउंड का भारी कर्ज और फैटी की धमकी...

>> झूठ का सिलसिला और उलझता घटनाक्रम...

>> ३. स्टारकास्ट का परफॉर्मेंस राघव जुयाल की दमदार एक्टिंग पर भारी पड़ी कमजोर स्क्...

>> मुख्य एवं सहयोगी कलाकारों का योगदान...

>> ४. निर्देशन और स्क्रीनप्ले विवेक बी अग्रवाल के डायरेक्शन में हास्य कम और शोर ज्...

>> स्क्रीनप्ले की कमियां और दिशाहीनता...

>> ५. म्यूजिक और गाने अमित त्रिवेदी के बेहतरीन संगीत का गलत प्लेसमेंट...

>> क्लाइमैक्स में गानों की वजह से सुस्ती...

>> ६. फिल्म की सबसे बड़ी कमियां क्यों दर्शकों को हंसाने में नाकाम रही यह कॉमेडी फि...

>> ७. फाइनल वर्डिक्ट और रेटिंग क्या आपको सिनेमाघरों में देखनी चाहिए भाई तेरा स्टा...

>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

१. भाई तेरा स्टार है मूवी रिव्यू: राघव जुयाल की फिल्म ने त

बॉलीवुड अभिनेता और डांसर राघव जुयाल (Raghav Juyal) की मुख्य भूमिका वाली बहुप्रतीक्षित कॉमेडी फिल्म भाई तेरा स्टार है (Bhai Tera Star Hai)आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म के ट्रेलर, अनोखे नाम और दिलचस्प स्टारकास्ट की वजह से दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर अच्छा-खासा उत्साह देखा जा रहा था। हालांकि, बड़े पर्दे पर दस्तक देने के बाद यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरने में असफल साबित होती नजर आ रही है।

अगर आप भी इस वीकेंड सिनेमाघर जाकर टिकट बुक करने की योजना बना रहे हैं, तो थिएटर जाने से पहले इस विस्तृत रिव्यू को जरूर पढ़ लें। इस रिव्यू में हम आपको बताएंगे कि फिल्म की पटकथा कितनी ठोस है, स्टारकास्ट का प्रदर्शन कैसा रहा और क्या विवेक बी अग्रवाल का निर्देशन दर्शकों को हंसाने में कामयाब हो पाता है या नहीं।

यह भी पढ़ें:तेजस्वी प्रकाश की डायमंड रिंग का फ्लॉन्ट, शादी के मौके पर करन कुंदरा? जानें क्या है असली कहानी

२. फिल्म की कहानी: लंदन का संघर्ष, उधारी का कर्ज और कन्फ्यूज

फिल्म भाई तेरा स्टार है की कहानी लंदन शहर की पृष्ठभूमि पर आधारित है। मुख्य किरदार अजय सिंह (राघव जुयाल) एक स्ट्रगलिंग आर्टिस्ट है, जो बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाने का सपना देखता है। अजय को पूरा यकीन है कि किस्मत ने उसके लिए फिल्म इंडस्ट्री में एक खास जगह तय कर रखी है। हालांकि, हकीकत में वह आर्थिक तंगी और भारी उधारी से जूझ रहा है।

१०,००० पाउंड का भारी कर्ज और फैटी की धमकी

अजय ने लंदन में एक बार (Bar) के मालिक फैटी (संजय कपूर) से १०,००० पाउंड उधार लिए हैं। जब अजय तय समय सीमा पर कर्ज चुकाने में नाकाम रहता है, तो फैटी अपने तीन गुंडों को अजय से पैसे वसूलने के लिए उसके पीछे लगा देता है। यहां से अजय की जिंदगी में अफरा-तफरी का दौर शुरू होता है।

झूठ का सिलसिला और उलझता घटनाक्रम

अपनी समस्याओं को छिपाने के लिए अजय अपनी प्रेमिका रोशनी (निहारिका एनएम) और अपनी बहन नताशा (पार्वती ओमानाकुट्टन) से पैसों को लेकर लगातार झूठ बोलता है। दूसरी तरफ, रोशनी भी अपने भाई सिड (विवान भटेना) से झूठ बोलकर पैसे हड़पने की कोशिश करती है। सिड खुद कई लोगों को कर्ज बांट चुका है। इन बहुस्तरीय झूठों की वजह से कहानी में गलतफहमियों का ऐसा जाल बुनता है जो हास्यास्पद होने के साथ-साथ तर्कहीन परिस्थितियों को जन्म देता है।

३. स्टारकास्ट का परफॉर्मेंस: राघव जुयाल की दमदार एक्टिंग पर

अभिनय के मामले में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट ने ईमानदारी से काम किया है। राघव जुयाल इस पूरी फिल्म का सबसे मजबूत और सकारात्मक पहलू बनकर उभरते हैं। उन्होंने अजय सिंह के रोल में अपनी ऊर्जा, नेचुरल कॉमिक टाइमिंग और इमोशनल एक्सप्रेशन्स से जान फूंकने की पूरी कोशिश की है।

मुख्य एवं सहयोगी कलाकारों का योगदान

>> राघव जुयाल:स्क्रीन प्रेजेंस काफी मजबूत है, लेकिन खराब डायलॉग्स के कारण उनका टैलेंट पूरी तरह इस्तेमाल नहीं हो पाया।

>> संजय कपूर:बार ओनर फैटी के किरदार को उन्होंने सादगी और सहजता के साथ निभाया है।

>> निकी वालिया और निहारिका एनएम:सीमित स्क्रीन टाइम मिलने के बावजूद दोनों अभिनेत्रियों ने अपने काम से ध्यान आकर्षित किया।

>> बरखा सिंह और विविान भटेना:अपने-अपने किरदारों में पूरी तरह फिट लगे, मगर स्क्रिप्ट में उनके रोल्स को गहराई नहीं दी गई।

>> चंदन रॉय सान्याल:छोटे से रोल में भी अपनी दमदार अदाकारी की छाप छोड़ने में सफल रहते हैं।

यह भी पढ़ें:शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर मायावती भड़कीं, छात्रों से कही बड़ी बात

४. निर्देशन और स्क्रीनप्ले: विविक बी अग्रवाल के डायरेक्शन मे

निर्देशक विविक बी अग्रवाल का काम इस फिल्म का सबसे निराशाजनक पहलू साबित होता है। सिचुएशनल कॉमेडी को धीरे-धीरे और स्वाभाविक रूप से तैयार करने के बजाय, उन्होंने लाउड एक्टिंग, चिल्लाने वाले संवादों और गैर-जरूरी हलचल पर ज्यादा भरोसा जताया है।

स्क्रीनप्ले की कमियां और दिशाहीनता

फिल्म में किरदारों की भागदौड़ और अफरा-तफरी बहुत ज्यादा है, लेकिन यह अफरा-तफरी दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम रहती है। कहानी का स्क्रीनप्ले कई अनावश्यक सब-प्लॉट्स और एक्स्ट्रा कैरेक्टर्स की वजह से बिखरा हुआ महसूस होता है। १ घंटा ४५ मिनट का रनटाइम होने के बावजूद फिल्म की गति कई जगहों पर काफी सुस्त लगती है।

५. म्यूजिक और गाने: अमित त्रिवेदी के बेहतरीन संगीत का गलत प्

संगीतकार अमित त्रिवेदी ने फिल्म के लिए अच्छा साउंडट्रैक तैयार किया है, लेकिन फिल्म निर्माण टीम द्वारा इन गानों का इस्तेमाल बेहद लचर तरीके से किया गया है। गाने कहानी के प्रवाह को आगे बढ़ाने के बजाय उसमें रुकावट पैदा करते हैं।

क्लाइमैक्स में गानों की वजह से सुस्ती

फिल्म के आखिरी आधे घंटे में एक के बाद एक लगातार कई गाने डाल दिए गए हैं। इस गलत प्लेसमेंट की वजह से क्लाइमैक्स का पूरा रोमांच खत्म हो जाता है और दर्शक थकावट महसूस करने लगते हैं। एक अच्छी कॉमेडी फिल्म में संगीत को सिचुएशन के मुताबिक इस्तेमाल किया जाना चाहिए था, जो यहां देखने को नहीं मिलता।

६. फिल्म की सबसे बड़ी कमियां: क्यों दर्शकों को हंसाने में ना

फिल्म भाई तेरा स्टार है उन बुनियादी पैमानों पर असफल होती है, जो एक बेहतरीन कॉमेडी सिनेमा के लिए जरूरी माने जाते हैं। फिल्म की प्रमुख कमियों को निम्नलिखित बिंदुओं में समझा जा सकता है:

>> पुराना और घिसा-पिटा प्लॉट:उधारी चुकाने और झूठ बोलने की यह कहानी बॉलीवुड में दर्जनों बार देखी जा चुकी है।

>> पंचलाइन्स का बेअसर होना:कॉमेडी डायलॉग्स में पैनापन नहीं है, जिससे हंसी के मौके बेहद कम बनते हैं।

>> लॉजिक और इमोशन का अभाव:दर्शक किसी भी किरदार के साथ भावनात्मक रूप से नहीं जुड़ पाते।

>> जबरदस्ती का हास्य:सीन्स को जबरन फनी बनाने का प्रयास साफ झलकता है, जो बनावटी लगता है।

यह भी पढ़ें:वोटर ID नहीं है? फिर भी इन 11 डॉक्युमेंट्स से डालें अपना वोट!

७. फाइनल वर्डिक्ट और रेटिंग: क्या आपको सिनेमाघरों में देखनी

संक्षेप में कहा जाए तो भाई तेरा स्टार है एक ऐसी फिल्म है जो अपनी घोषणा के वक्त जितनी उम्मीदें जगाती है, थिएटर्स में उतना ही निराश करती है। राघव जुयाल और बाकी कलाकारों की मेहनत के बावजूद कमजोर लिखावट और दिशाहीन निर्देशन ने इस प्रोजेक्ट को पूरी तरह खराब कर दिया है।

यदि आप राघव जुयाल के बहुत बड़े प्रशंसक हैं, तो आप इसे ओटीटी (OTT) पर आने का इंतजार कर सकते हैं। सिनेमाघर जाकर पैसे और समय खर्च करना इस फिल्म के लिए बुद्धिमानी का फैसला नहीं होगा। हमारी ओर से इस फिल्म को दिए जाते हैं२ ५ स्टार (2 Out of 5 Stars)।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

इस फिल्म में मुख्य भूमिका लोकप्रिय अभिनेता, डांसर और होस्ट राघव जुयाल (Raghav Juyal) ने निभाई है।

इस फिल्म का निर्देशन विवेक बी अग्रवाल (Vivek B. Agrawal) ने किया है।

फिल्म भाई तेरा स्टार है की कुल अवधि १ घंटा ४५ मिनट (105 मिनट) है।

यह एक हल्की-फुल्की कॉमेडी फिल्म है जिसे परिवार के साथ देखा जा सकता है, लेकिन कमजोर पटकथा के कारण यह दर्शकों को बांधकर रखने में असमर्थ है।

समीक्षकों के अनुसार इस फिल्म को ५ में से केवल २ स्टार (2 5 Stars) की रेटिंग दी गई है।